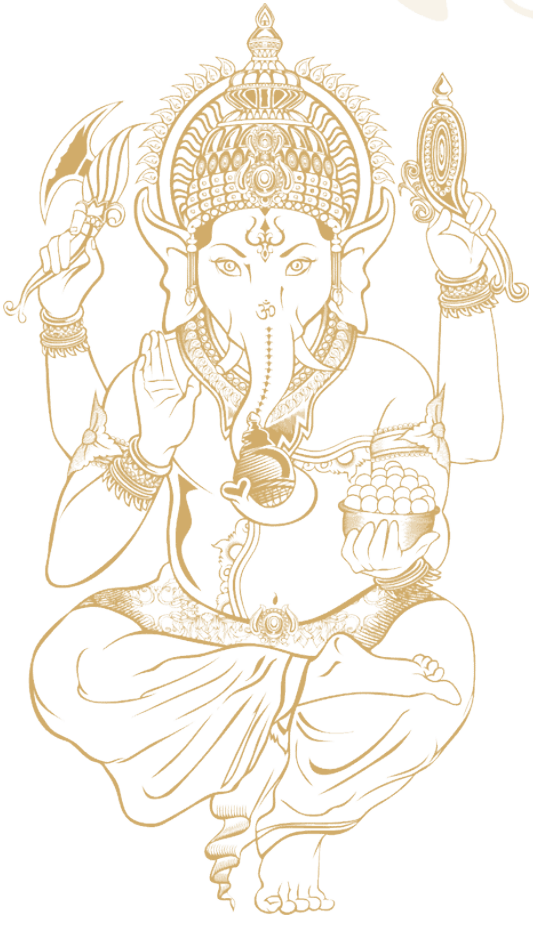

Krishiv sharma

12 Feb 2026

07:33 PM

Jammu and Kashmir

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121480604

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
12/02/2026	जन्म तिथि	**12/02/2026**
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:33:00	जन्म समय	19:33:00 घंटे
घटी 31:16:46	जन्म समय(घटी)	31:16:46 घटी
India	देश	India
nu and Kashmir	स्थान	Jammu and Ka
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:17	सूर्योदय	07:02:17
18:08:47	सूर्यास्त	18:08:47
24:13:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:26
सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
धनु	राशि	धनु
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
मूल	नक्षत्र	मूल
केतु	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	1
हर्षण	योग	हर्षण
बव	करण	बव
ये-येरुसलम	जन्म नामाक्षर	ये-येनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	श्वान
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मृग
0	गत/तत्कालिक वर्ष	1

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पू०फाल्गुनी	2	18:43:26	सिंह			लग्न			सिंह	18:43:26	2	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	2	29:38:16	मक			सूर्य			मक	29:38:16	2	धनिष्ठा
मूल	1	02:55:28	धनु			चंद्र			धनु	02:55:28	1	मूल
श्रवण	4	21:35:37	मक		अ	मंगल		अ	मक	21:35:37	4	श्रवण
शतभिषा	3	15:20:06	कुंभ			बुध			कुंभ	15:20:06	3	शतभिषा
पुनर्वसु	1	21:59:57	मिथु	व		गुरु	व		मिथु	21:59:57	1	पुनर्वसु
शतभिषा	1	08:28:36	कुंभ			शुक्र			कुंभ	08:28:36	1	शतभिषा
उ०भाद्रपद	1	05:37:13	मीन			शनि			मीन	05:37:13	1	उ०भाद्रपद
शतभिषा	3	14:51:10	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	14:51:10	3	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	1	14:51:10	सिंह	व		केतु	व		सिंह	14:51:10	1	पू०फाल्गुनी
कृतिका	2	03:16:04	वृष			मु			सिंह	18:43:26	2	पू०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

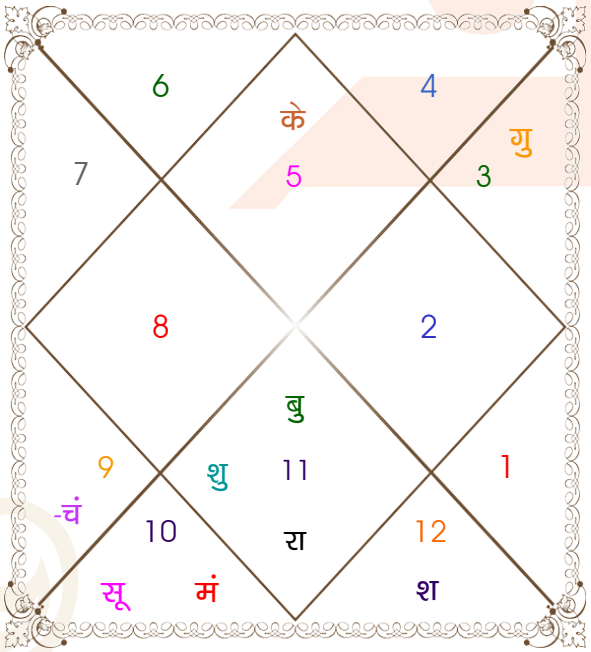

वर्ष लग्न कुंडली

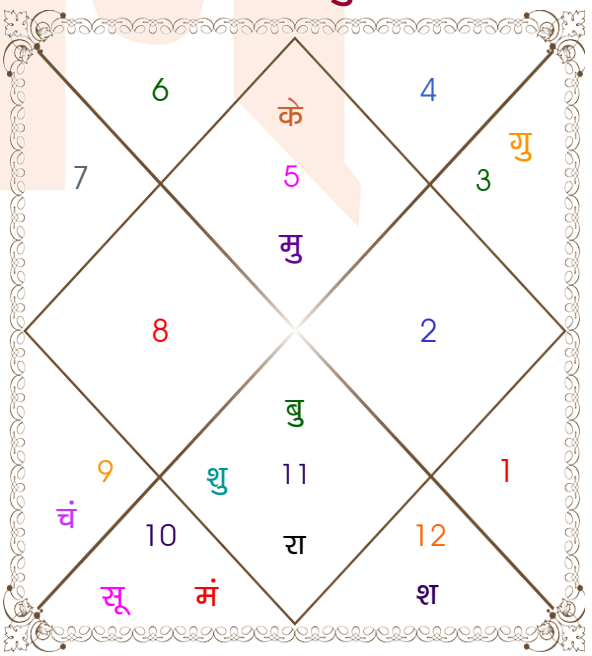

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - सूर्य - सूर्य	
27/02/2026 07:15	
05/03/2026 16:39	
सूर्य	27/02/2026 14:55
चंद्र	28/02/2026 03:42
मंगल	28/02/2026 12:39
राहु	01/03/2026 11:39
गुरु	02/03/2026 08:07
शनि	03/03/2026 08:24
बुध	04/03/2026 06:08
केतु	04/03/2026 15:05
शुक्र	05/03/2026 16:39

केतु - सूर्य - चंद्र	
05/03/2026 16:39	
16/03/2026 08:19	
चंद्र	06/03/2026 13:57
मंगल	07/03/2026 04:52
राहु	08/03/2026 19:13
गुरु	10/03/2026 05:19
शनि	11/03/2026 21:48
बुध	13/03/2026 10:01
केतु	14/03/2026 00:56
शुक्र	15/03/2026 19:32
सूर्य	16/03/2026 08:19

केतु - सूर्य - मंगल	
16/03/2026 08:19	
23/03/2026 19:18	
मंगल	16/03/2026 18:46
राहु	17/03/2026 21:37
गुरु	18/03/2026 21:28
शनि	20/03/2026 01:49
बुध	21/03/2026 03:10
केतु	21/03/2026 13:36
शुक्र	22/03/2026 19:26
सूर्य	23/03/2026 04:23
चंद्र	23/03/2026 19:18

केतु - सूर्य - राहु	
23/03/2026 19:18	
11/04/2026 23:31	
राहु	26/03/2026 16:20
गुरु	29/03/2026 05:41
शनि	01/04/2026 06:33
बुध	03/04/2026 23:45
केतु	05/04/2026 02:36
शुक्र	08/04/2026 07:18
सूर्य	09/04/2026 06:19
चंद्र	10/04/2026 20:40
मंगल	11/04/2026 23:31

केतु - सूर्य - गुरु	
11/04/2026 23:31	
29/04/2026 00:35	
गुरु	14/04/2026 06:03
शनि	16/04/2026 22:50
बुध	19/04/2026 08:47
केतु	20/04/2026 08:38
शुक्र	23/04/2026 04:49
सूर्य	24/04/2026 01:17
चंद्र	25/04/2026 11:22
मंगल	26/04/2026 11:14
राहु	29/04/2026 00:35

केतु - सूर्य - शनि	
29/04/2026 00:35	
19/05/2026 06:22	
शनि	02/05/2026 05:30
बुध	05/05/2026 02:20
केतु	06/05/2026 06:40
शुक्र	09/05/2026 15:38
सूर्य	10/05/2026 15:55
चंद्र	12/05/2026 08:24
मंगल	13/05/2026 12:44
राहु	16/05/2026 13:36
गुरु	19/05/2026 06:22

केतु - सूर्य - बुध	
19/05/2026 06:22	
06/06/2026 09:01	
बुध	21/05/2026 19:57
केतु	22/05/2026 21:18
शुक्र	25/05/2026 21:45
सूर्य	26/05/2026 19:29
चंद्र	28/05/2026 07:42
मंगल	29/05/2026 09:03
राहु	01/06/2026 02:15
गुरु	03/06/2026 12:12
शनि	06/06/2026 09:01

केतु - सूर्य - केतु	
06/06/2026 09:01	
13/06/2026 20:00	
केतु	06/06/2026 19:28
शुक्र	08/06/2026 01:17
सूर्य	08/06/2026 10:14
चंद्र	09/06/2026 01:09
मंगल	09/06/2026 11:36
राहु	10/06/2026 14:26
गुरु	11/06/2026 14:18
शनि	12/06/2026 18:38
बुध	13/06/2026 20:00

केतु - सूर्य - शुक्र	
13/06/2026 20:00	
05/07/2026 03:21	
शुक्र	17/06/2026 09:13
सूर्य	18/06/2026 10:47
चंद्र	20/06/2026 05:24
मंगल	21/06/2026 11:14
राहु	24/06/2026 15:56
गुरु	27/06/2026 12:07
शनि	30/06/2026 21:04
बुध	03/07/2026 21:31
केतु	05/07/2026 03:21

केतु - चंद्र - चंद्र	
05/07/2026 03:21	
22/07/2026 21:28	
चंद्र	06/07/2026 14:51
मंगल	07/07/2026 15:43
राहु	10/07/2026 07:38
गुरु	12/07/2026 16:27
शनि	15/07/2026 11:55
बुध	18/07/2026 00:17
केतु	19/07/2026 01:08
शुक्र	22/07/2026 00:10
सूर्य	22/07/2026 21:28

केतु - चंद्र - मंगल	
22/07/2026 21:28	
04/08/2026 07:45	
मंगल	23/07/2026 14:52
राहु	25/07/2026 11:37
गुरु	27/07/2026 03:23
शनि	29/07/2026 02:37
बुध	30/07/2026 20:52
केतु	31/07/2026 14:16
शुक्र	02/08/2026 15:59
सूर्य	03/08/2026 06:54
चंद्र	04/08/2026 07:45

केतु - चंद्र - राहु	
04/08/2026 07:45	
05/09/2026 06:47	
राहु	09/08/2026 02:49
गुरु	13/08/2026 09:05
शनि	18/08/2026 10:31
बुध	22/08/2026 23:11
केतु	24/08/2026 19:56
शुक्र	30/08/2026 03:46
सूर्य	31/08/2026 18:07
चंद्र	03/09/2026 10:02
मंगल	05/09/2026 06:47

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।